



आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय, केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर और उत्पाद शुल्क: O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL GST & EXCISE,



द्वितीय तल, जी एस टी भवन / 2<sup>nd</sup> Floor, GST Bhavan, रेस कोर्स रिंग रोड, / Race Course Ring Road, राजकोट / Rajkot - 360 001

Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: cexappealsrajkot@gmail.com

रजिस्टर्ड डाक ए. डी. द्वारा :-

क	अपील / फाइल संख्या / Appeal / File No. V2/23/BVR/2017	मूल आदेश सं / O.I.O. No. R/59/2016	दिनांक / Date 22.11.2016
---	---	--	--------------------------------

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.):

**BHV-EXCUS-000-APP-130-2017-18**

आदेश का दिनांक /  
Date of Order: 20.02.2018 जारी करने की तारीख /  
Date of issue: 21.02.2018

कुमार संतोष, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित /  
Passed by Shri Kumar Santosh, Commissioner (Appeals), Rajkot

ग अपर आयुक्त/ समूक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, राजकोट / जामनगर / गान्धीधाम द्वारा उपरलिखित जटी मूल आदेश से वृजित: /  
Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise / Service Tax, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham :

घ **अपीलकर्ता & प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name&Address of the Appellants & Respondent :-**  
1.M/s Shree Shubh Developers Rayji Bag-2, Monark Residency Near Shri Laxmi Narayan Temple, Junagadh,

इस आदेश(अपील) से व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरीके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील टाय कर सकता है।/  
Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way:

(A) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण के प्रति अपील, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है। /  
Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to:-

(i) वर्गीकरण मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं 2, आर. के. पुरम, नई दिल्ली, को की जाती चाहिए। /  
The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

(ii) उपरोक्त परिच्छेद 1(a) में बतलाए गए अपील के अलावा शेष सभी अपीलें सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपील न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, द्वितीय तल, बहामनी भवन असावा अहमदाबाद- 380016 को की जाती चाहिए। /  
To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2<sup>nd</sup> Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016 in case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above

(iii) अपील न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमवाली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गए फॉर्म EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए। इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की राशि, ब्याज की राशि और लगाया गया जुर्माना, रुपये 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपये या 50 लाख रुपये तक अथवा 50 लाख रुपये से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति अलग करे। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थान आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए अर्द्धतन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /  
The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1,000/- Rs.5000/-, Rs.10,000/- where amount of duty demand/interest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated. Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

(B) अपील न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित फॉर्म S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकती एवं उसके साथ जित आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में संलग्न करें (जुर्माने से एक प्रति प्रस्तावित होती चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की राशि, ब्याज की राशि और लगाया गया जुर्माना, रुपये 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपये या 50 लाख रुपये तक अथवा 50 लाख रुपये से अधिक है तो क्रमशः 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति अलग करे। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपील न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थान आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए अर्द्धतन-पत्र के साथ 500/- रुपये का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। /  
The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Service Tax Rules, 1994, and Shall be accompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakhs or less, Rs.5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than five lakhs but not exceeding Rs. Fifty Lakhs, Rs.10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than fifty Lakhs rupees, in the form of crossed bank draft in favour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application made for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs.500/-

- (i) वित्त अधिनियम, 1994 की धारा 86 की उप-धाराओं (2) एवं (2A) के अंतर्गत दर्जे की गयी अपील, सेवाकर नियमवाची, 1994, के नियम 9(2) एवं 9(2A) के तहत निर्धारित प्रथम S.T.-7 में की जा सकती एवं उसके साथ आवक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अध्याय अनुसूक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा पारित आदेश की प्रतियाँ संलग्न करे (जन्मे से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और अनुसूक्त द्वारा महावक अनुसूक्त अध्याय अनुसूक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवाकर, को अपीलवीय न्यायाधिकरण को आवेदन दर्ज करने का निर्देश देने वाले आदेश की प्रति भी साथ में संलग्न करनी होगी। / The appeal under sub-section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in Form ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner Central Excise or Commissioner, Central Excise (Appeals) (one of which shall be a certified copy) and copy of the order passed by the Commissioner authorizing the Assistant Commissioner or Deputy Commissioner of Central Excise/ Service Tax to file the appeal before the Appellate Tribunal.
- (ii) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलवीय प्राधिकरण (सेस्टैट) के प्रति अपील के मामले में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944 की धारा 350फ के अंतर्गत, जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 83 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, इस आदेश के प्रति अपीलवीय प्राधिकरण में अपील करने समय उत्पाद शुल्कसेवा कर मांग के 10 प्रतिशत (10%), जब मांग एवं जुर्माना विवादित है, या जुर्माना, जब केवल जुर्माना विवादित है, का भुगतान किया जाए, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा कि जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रुपये से अधिक न हो।  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत 'मांग किए गए शुल्क' से निम्न शामिल है  
(i) धारा 11 डी के अंतर्गत रकम  
(ii) सेनटेट जमा की गयी राशि  
(iii) सेनटेट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम  
- बशर्ते यह कि इस धारा के अंतर्गत वित्तीय (सं. 2) अधिनियम 2014 के आरम्भ से पूर्व किसी अपीलवीय प्राधिकारी के समक्ष विचारणीय स्थान नहीं एवं अपील को लागू नहीं होगी।  
For an appeal to be filed before the CESTAT, under Section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under Section 83 of the Finance Act, 1994, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute, provided the amount of pre-deposit payable would be subject to a ceiling of Rs. 10 Crores.  
Under Central Excise and Service Tax, "Duty Demanded" shall include :  
(i) amount determined under Section 11 D;  
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;  
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules  
- provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.
- (C) भारत सरकार को पुनरीक्षण आवेदन :  
Revision application to Government of India:  
इस आदेश की पुनरीक्षण याचिका निम्नलिखित मामलों में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा 35EE के प्रथम पारतुक के अंतर्गत अथवा अथवा, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन टॉप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। / A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid:  
(i) यदि माल के किसी नुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से भंडार गृह के पारगमन के दौरान या किसी अन्य कारखाने या फिर किसी एक भंडार गृह से दूसरे भंडार गृह पारगमन के दौरान, या किसी भंडार गृह में या भंडारण में माल के धरापकरण के दौरान, किसी कारखाने या किसी भंडार गृह में भारत के नुकसान के मामले में। / In case of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse  
(ii) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात कर रहे माल के विनिर्माण में धुसुका कच्चे माल पर शरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबैट) के सम्बन्ध में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्यात की गयी है। / In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of an excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.  
(iii) यदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भूटान को माल निर्यात किया गया है। / In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.  
(iv) मुद्रित/उत्पाद के उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो इन्व्हीटि इन्व्हीटि इस अधिनियम एवं इसके विभिन्न प्रावधानों के तहत मांग की गई है और ऐसे आदेश जो अनुसूक्त (अपील) के द्वारा वित्त अधिनियम (सं. 2), 1998 की धारा 109 के द्वारा नियत की गई तरीक अध्याय समाचारिधि पर या बाद में पारित किए गये हैं। / Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.  
(v) उपरोक्त आवेदन की दो प्रतियां प्रथम संख्या EA-8 में, जो की केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील) नियमावली, 2001, के नियम 9 के अंतर्गत निर्दिष्ट है, इस आदेश के संकेपन के 3 माह के अंतर्गत की जानी चाहिए। उपरोक्त आवेदन के साथ मूल आदेश व अपील आदेश की दो प्रतियां संलग्न की जानी चाहिए। साथ ही केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-EE के तहत निर्धारित शुल्क की अद्ययगी के साथ-साथ के तौर पर TR-6 की प्रति संलग्न की जानी चाहिए। / The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-in-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.  
(vi) पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखित निर्धारित शुल्क की अद्ययगी की जानी चाहिए।  
जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- का भुगतान किया जाए और यदि संलग्न रकम एक लाख रुपये से ज्यादा हो तो रुपये 1000 -/ का भुगतान किया जाए।  
The revision application shall be accompanied by a fee of Rs. 200/- where the amount involved in Rupees One Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.
- (D) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए शुल्क का भुगतान, उपरोक्त इन से किया जाना चाहिए। इस लक्ष्य के होते हुए भी की विच्छा पूर्ण कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलवीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है। / In case, if the order covers various numbers of order- in Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner, notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100/- for each.
- (E) क्वासांशोधित न्यायालय शुल्क अधिनियम, 1975, के अनुसूची-1 के अनुसार मूल आदेश एवं स्थगित आदेश की प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय शुल्क टिकिट लगा होना चाहिए। / One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs. 6.50 as prescribed under Schedule-I in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.
- (F) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलवीय न्यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबंधित मामलों को सम्मिलित करने वाले नियमों की और भी ध्यान आकर्षित किया जाता है। / Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.
- (G) उच्च अपीलवीय प्राधिकारी को अपील दाखिल करने में संबंधित न्यायक, विस्तृत और नवीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलवाची विभागीय वेबसाइट: www.cbec.gov.in को देख सकते हैं। / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in

**:: ORDER IN APPEAL ::**

M/s. Shree Shubh Developers, Rayji Baug-2, B/h Monark Residency, Near Shri Laxmi Narayan Temple, Junagadh (*hereinafter referred to as 'the appellant'*) have filed the appeal against the Order-in-Original No. R/59/2016 dated 22.11.2016 (*hereinafter referred to as 'the impugned order'*) passed by the Assistant Commissioner, Service Tax Division, Bhavnagar (*hereinafter referred to as 'the adjudicating authority'*).

2. The brief facts of the case are that the appellant engaged in the business of construction of residential building; that appellant has sold two flats after completion and due to ignorance of law paid service tax on consideration received whereas Service Tax was not payable; that appellant filed refund claim of Rs. 1,02,200/- on 08.09.2016 for refund of Service Tax paid on 12.07.2014 and 01.10.2014. Show Cause Notice dated 09.12.2016 was issued to the appellant stating that the refund claim was submitted after expiry of one year from the date of payment of Service Tax and was adjudicated by the lower adjudicating authority vide impugned order wherein he rejected refund claim holding time bared on account of time limitation under Section 11B of Central Excise, 1944 (*hereinafter referred as "the Act."*).
3. Being aggrieved with the impugned order, the appellant filed present appeal, *interalia*, on the grounds that :-
- (i) When Service Tax is not payable, time limit of one year is not applicable.
  - (ii) Municipal Corporation, Junagadh is not issuing completion certificate to any building since long time so the appellant submitted completion certificate issued by the engineer.
4. Personal hearing in the matter was granted on 11.10.2017, 01.11.2017, 06.12.2017 and 10.01.2018, however, the appellant submitted letter dated 23.01.2018, requesting to consider submissions made by them before lower adjudication authority and decide the case on merit as they have nothing more to submit. No one appeared from the department also on any date.

**FINDINGS:-**

5. I have carefully gone through the facts of the case, the impugned order and the appeal memorandum. I find that the issue to be decided in the present appeal is as to whether the impugned order passed by the lower adjudicating authority rejecting refund claim of service tax filed by the appellant on the ground of time bar is correct or not.

6. The lower adjudicating authority has rejected the refund claim on the ground of time bar as the appellant filed refund claim after expiry of one year from the date of payment of service. The appellant has contended that when service tax is not payable, the time limit of one year is not applicable. I find that the appellant has paid Service Tax on amount received by sale of two flats of Rs. 1,02,000/- vide two Challans dated 12.07.2014 and 01.10.2014. The appellant submitted refund claim on 08.09.2016 on the ground that Service Tax was not payable as per Section 66E(b) of Finance Act, 1994 as the consideration towards said flats were received after issuance of completion certificate and hence Service Tax was not leviable.

7. I find that each and every refund claim of Service Tax is also governed under Section 11B of the Central Excise Act, 1944, which has been made applicable to service tax matters under Section 83 of the Act. I would like to reproduce the relevant text of Section 11B as under:-

**"Section 11B. Claim for refund of duty and interest, if any, paid on such duty -**

(1) Any person claiming refund of any duty of excise and interest, if any, paid on such duty may make an application for refund of such duty and interest, if any, paid on such duty to the Assistant Commissioner of Central Excise or Deputy Commissioner of Central Excise before the expiry of one year from the relevant date.....

.....

.....

-----

**Explanation.** — For the purposes of this section, -

(A) .....

(B) "relevant date" means, -

(a) in the case of goods exported out of India where a refund of excise duty paid is available in respect of the goods themselves or, as the case may be, the excisable materials used in the manufacture of such goods, -

(i) if the goods are exported by sea or air, the date on which the ship or the aircraft in which such goods are loaded, leaves India, or

(ii) if the goods are exported by land, the date on which such goods pass the frontier, or

(iii) if the goods are exported by post, the date of despatch of goods by the Post Office concerned to a place outside India;

(b) in the case of goods returned for being remade, refined, reconditioned, or subjected to any other similar process, in any factory, the date of entry into the factory for the purposes aforesaid;

(c) in the case of goods to which banderoles are required to be affixed if removed for home consumption but not so required when exported outside India, if returned to a factory after having been removed from such factory for export out of India, the date of entry into the factory;

(d) in a case where a manufacturer is required to pay a sum, for a certain period, on the basis of the rate fixed by the Central Government by notification in the Official Gazette in full discharge of his liability for the duty leviable on his production of certain goods, if after the manufacturer has made the payment on the basis of such rate for any period but before the expiry of that period such rate is reduced, the date of such reduction;

(e) in the case of a person, other than the manufacturer, the date of purchase of the goods by such person;]

(ea) in the case of goods which are exempt from payment of duty by a special order issued under sub-section (2) of section 5A, the date of issue of such order;

5

(eb) in case where duty of excise is paid provisionally under this Act or the rules made thereunder, the date of adjustment of duty after the final assessment thereof;

(ec) in case where the duty becomes refundable as a consequence of judgment, decree, order or direction of appellate authority, Appellate Tribunal or any court, the date of such judgment, decree, order or direction;

(f) in any other case, the date of payment of duty.

[ Emphasis supplied ]

8. It could be seen that in terms of Section 11B (1) of the Central Excise Act, 1944, read with relevant date under Explanation (f) appended thereto, made applicable to service tax matter under Section 83 of the Act, the refund claim of service tax paid is required to be made before one year from the date of payment. In the instant case, the appellant paid the amount considering it as service tax on 12.07.2014 and 01.10.2014 and claimed refund on 08.09.2016 i.e. beyond the period of one year and hence, refund claim is clearly time barred. It is settled position of law that each and every refund claim is required to be filed within stipulated time limit and no relaxation thereon can be granted by any one under Central Excise Law. Hence, I find that the argument of the appellant is devoid of merits and cannot be accepted. Since the refund claim is correctly rejected on the ground of limitation of time, I have no option but uphold the order.

9. In view of above, I uphold the impugned order and reject the appeal filed by the appellant.

९.१ अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है.

9.1 The appeal filed by the appellant is disposed off in above terms.

*[Signature]*  
20/12/2018  
(कुमार संतोष)  
आयुक्त (अपील्स)

By Speed Post

To

M/s. Shree Shubh Developers, Rayji Baug-2, B/h Monark Residency, Near Shri Laxmi Narayan Temple, Junagadh	मेसर्स श्री शुभ डेवलपर्स, रायजी बाग -२, मोनार्क रेसिडेंसी के पीछे, श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास, जुनागढ़
--	---

Copy to:-

1. The Chief Commissioner, GST & Central Excise, Ahmedabad Zone, Ahmedabad.
2. The Commissioner, GST & Central Excise, Bhavnagar Commissionerate, Bhavnagar.
3. The Assistant Commissioner, GST & Central Excise City Division, Junagadh.
4. Guard File.